कार्यालय महानिदेशक, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान
बख्शी का तालाब, लखनऊ–226202, उ0प्र0।

सेवा में,

1. **आचार्य,**
   क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, मैनपुरी।
2. **जिला प्रशिक्षण अधिकारी,**
   जिला ग्राम्य विकास संस्थान, बाराबंकी, एटा, कासगंज (कांशीरामनगर), कानुपर नगर, कानुपर देहात, फतेहपुर व कौशाम्बी

पत्रांक : 04 / पिमवर्कशाप / 2013–14 दिनांक : 01.01.2014

**विषय : उ0प्र वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना के द्वितीय चरण क्षेत्रों में विभिन्न स्टेक होल्डर्स में "सहभागी सिंचाई प्रबन्धन" के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु जनपद स्तरीय लांचिग कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी को आमंत्रण विषयक।**

महोदय,

उ0प्र वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना के द्वितीय चरण के अन्तर्गत समन्वित जल संसाधनों के प्रबन्धन हेतु संस्थागत विकास, जल उपयोग क्षमता एवं कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए "जल उपभोक्ता समितियों" को गठित करने के वास्ते कृषकों एवं अन्य स्टेक होल्डर्स को जागरूक करने की आवश्यकता है। कृषकों को जागरूक करने का दायित्व शासन द्वारा दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ को सौंपा गया है। कृषकों व सिंचाई कार्यों का किसी न किसी रूप में पंचायती राज संस्थाओं, पंचायती राज विभाग, कृषि, उद्यान, लद्यु सिंचाई व भूमि विकास एवं जल संसाधन विभाग से भी सम्बन्ध है।

2. गांव–गांव कृषकों को जाकर संचेतित करने से पूर्व जनपद स्तर पर विभिन्न स्टेक होल्डर्स की सहभागिता प्राप्त करने एवं "सहभागी सिंचाई प्रबन्धन" के प्रति जागरूकता का माहौल बनाने की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में एक लांचिग कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जनपदवार कार्यशालाओं के आयोजन की तिथियां व आयोजन स्थल का विवरण **संलग्न–1** व कार्यशाला की समय–सारिणी **संलग्नक–2** पर है। इन लांचिंग कार्यशालाों में जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी से मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला का शुभारम्भ / उदघाटन कराया जाना बहुत ही उपयोगी होगा।

3. अनुरोध है कि अपने जनपद के जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर **संलग्नक–1 व 2** में निर्धारित तिथि एवं समय पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करना सुनिश्चित करें।

**संलग्नक : उपरोक्तानुसार।**

भवदीय,

**(डॉ0 वरदानी)**
संयुक्त निदेशक

## लॉन्चिंग कार्यशाला हेतु जनपदवार समय सारणी

| क्रमांक | जनपद का नाम | जिम्मेदार प्रशिक्षण संस्थान | सम्पर्क हेतु मो0 नं0 | कार्यशाला की तिथि | कार्यशाला स्थल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बाराबंकी | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, बाराबंकी | 8765957371 | 13 जनवरी, 2014 | कृषि विज्ञान केन्द्र, हैदरगढ़ बाराबंकी |
| 2 | कानपुर नगर | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, कानपुर | 8765957384 | 15 जनवरी, 2014 | प्रसार निदेशालय का हाल, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर |
| 3 | कानपुर देहात | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, कानपुर | 8765957384 | 16 जनवरी, 2014 | विकास भवन, माती, कानपुर देहात |
| 4 | फतेहपुर | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, फतेहपुर | 8765957376 | 17 जनवरी, 2014 | प्रेक्षागृह विकास भवन के सामने, फतेहपुर |
| 5 | कौशाम्बी | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, फतेहपुर | 8765957376 | 18 जनवरी, 2014 | प्रेक्षागृह विकास भवन, कौशाम्बी |
| 6 | मैनपुरी | क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, मैनपुरी | 8765957481 | 27 जनवरी, 2014 | क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, मैनपुरी |
| 7 | एटा | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, कासगंज | 8765957385 | 29 जनवरी, 2014 | ब्लाक मुख्यालय सदर, एटा |
| 8 | कासगंज | जिला ग्राम्य विकास संस्थान, कासगंज | 8765957385 | 30 जनवरी, 2014 | ब्लाक मुख्यालय सदर, कासगंज |

# सहभागी सिंचाई प्रबन्धन विषयक एक दिवसीय जनपद स्तरीय लांचिंग कार्यशाला की समय–सारिणी

| समय | विषय | संसाधन व्यक्ति |
|---|---|---|
| 10:00–10:20 | पंजीकरण | डॉ0 वरदानी, संयुक्त निदेशक |
| 10:20–10:30 . | मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सम्बोधन | जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी |
| 11:00–11:30 | सहभागी सिंचाई प्रबन्धन का परिदृश्य | श्री फणीश कुमार सिन्हा |
| 11:30–12:00 | उ0प्र0 पिम एक्ट–2009 के मुख्य बिन्दु | श्री फणीश कुमार सिन्हा |
| 12:00–12:30 | उ0प्र0 वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना फेज–1 पर एक दृष्टि | श्री नन्द किशोर |
| 12:30–01:00 | जल उपभोक्ता समितियों, विभिन्न विभागों व पंचायतों का सहभागी सिंचाई प्रबन्धन में योगदान | श्री नन्द किशोर |
| 01:00–01:15 | सहभागी सिंचाई प्रबन्धन से लाभ व फेज–1 के अनुभव | कृषक |
| 01:15–02:15 | सहभागी सिंचाई प्रबन्धन में अन्तवैयक्तिक संचार | श्री राकेश मैत्रेय |
| 02:15–03:00 | लन्च | |
| 03:00–03:30 | सहभागी सिंचाई प्रबन्धन की सफलता हेतु विभिन्न हितग्राहियों की सहभागिता की आवश्यकता | डॉ0 के0पी0 त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक / डॉ0 वरदानी, संयुक्त निदेशक |
| 03:30–04:00 | सहभागी सिंचाई प्रबन्धन के उत्तम उदाहरण | श्री रमाकान्त आर्या, डी0एस0सी0 |
| 04:00–04:30 | विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के सहभागी सिंचाई प्रबन्धन के सम्बन्ध में विचार | |
| 04:30–05:00 | समापन | |